कम से कम भाईचारे का भाव हो, आज वाहियात तरीके से लोग पैदा हो गए हैं इस दुनिया में जो हर वक्त मार-धाड़ करते हैं, बहुत बुरा लगता है। ऐसा लगता है कि क्या हो गया है इस संसार को कि आपस में ही लड़ते रहते हैं, मारते रहते रहते हैं, उजाड़ते रहते हैं, लेकिन वहां जाकर देखा कि इस मुसीबत के समय में कुछ ठीक-ठाक हो गया । मुझे एक शेयर याद आता है :—

मेरे दिल के एक कोने में एक मासूम सा बच्चा रहता है,

देखकर हालत बड़ों की, वह बड़ा होने से डरता है।

तो मुझे तो डर लगता था कि आदमी बच्चे तक भगवान का रूप होता है, बड़ा होने के बाद में वह खूंखार बन जाते हैं तो डर लगता है कि क्यों बड़ा हुआ जाए, छोटा ही रहा जाए। तो वहां जाकर लगा कि इंसानियत आज भी कुछ बाकी है, आज भी कुछ जज्बात बाकी हैं दिया भी है, करूणा भी है, सद्भावना भी है, भ्रातृभाव भी है और एक साथ जीने की तमन्ना भी है।

Let us hope we will carry on this progress so that they can lead their lives well. We should create a happy atmosphere and place so that they feel proud of it, at least those who have survived. We shall be able to tell the whole world that we in India can create something out of the disaster.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Now clarifications on statement regarding withdrawal of postal strike.

CLARIFICATIONS ON THE STATEMENT BY MINISTER

Withdrawal of Postal Strike

SHRI VISHVJIT P. SINGH (Maharastra) : Sir, there is no need of any clarification. The Minister has handled it very well. We are very thankful to the hon. Minister.

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI (Tamil Nadu) : Mr. Vice-Chairman, I would like to read the last sentence of the statement. The statement says :

> "I am sure that the entire Postal fraterniiy will make sincere effors to restore normalcy and maintain the high standards of postal services as they have been rendering in the past."

First of all, I would like to thank the hon. Minister for having accepted that the Postal employees have maintained high standards in postal services.

The Minister has stated in para 2 of the statement:

> "The package of benefits agreed to before the commencement of the strike will be given to and orders will be issued immediately."

I would like to know from the hon. Minister whether the Government has already issued orders or not. If the Government has not done so, will it come forward to assure the House that the agreement would be implemented on time-frame-settlement basis ?

Now I would like to read the agreement itself. It says:

> "In pursuance of our meeting with the hon. Minister on 9-12-1993 and with the Postal Board on 10-12-1993 on the proposals and assurances made in the above meeting, we hereby call- off the indefinite strike with immediate effect from today."

This is the agreement made with the Department. So there are two things. One is, proposals agreed with the Department and the second is, assurance given by the Department..

Some proposals have been agreed to after the commencement of the strike. What about those agreements? Are you going to

implement those points or not? For example, (a) the Contributory Fund Scheme for ED employees, (b) ED Branch Managers, whose workload exceeds 80 points would be compensated by a graded scale up to 100 points and (c) the lifting of the ban on the creation of additional posts. I have read it from the newspapers. You have not mentioned these points in your first statement. Therefore, I presume that this has been agreed to only during the subsequent talks.

In the statement the Minister has said, "Before the commencement of the strike." Does it mean that only those benefits will be given which were agreed to before the commencement of the strike ? I would like to bring another point to your notice. After the strike was called off, you have announced in Doordarshan announced that the employees had called off the strike unconditionally. I would like to tell you that lakhs and lakhs of employees were hurt by the word 'unconditional'. In the statement also you have used the words 'without any precondition.'. Tho newspapers also—the times of India, if I am righi-sad that the postal stir is off as the Government bowed down to their demands. I do not agree with it. I do not want to say that the Government bowed down to the demands made by the employees of the Postal Department. At the same time I do not appreciate the word "unconditional'. That is also not correct. *1* hope the hon. Minister treats the Postal Department as a family and withdraws that word. I feel, by withdrawing that word your prestige will be further enhanced. As there are no legal implications, it would be better if you withdraw the word 'unconditional'. I would like to bring another point to your notice. In Assam, the employees of the Postal Department had struck work for 40 days on the issue *of* special duty allowance. Later, it was agreed that the strike period would be treated as leave. The hon. Chief Minister of Assam had intervened in the matter and it was decided to treat this period as leave. I want an assurance from the hon. Minuter. It is not *46* days, It is actually 4 days and this should be treated as leave permitted by the department.

श्री मूलचन्द मीणा (राजस्थान) : उपसभाध्यक्ष महोदय, डाक कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त कराने के लिए मैं मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। उन्होंने अपने वक्तव्य में बताया कि हड़ताल से पूर्व जिन सुविधाओं और भत्तों का देना तय हुआ था, वह उन्हें प्रदान कर दिए जाएंगे और इस संबंध में तत्काल आदेश जारी किया जाएगा। मैं मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि जो सुविधाएं और भत्ते देने की बात तय हुई थी, उसमें डाक कर्मचारियों के अतिरिक्त एजेंट भी उस वार्ता में शामिल थे या आपने अपनी ओर से ही ये सुविधाएं देने की घोषणा कर दी?

दूसरी बात आपने यह कही है कि जो भी न्यायोचित मांगे होंगी, उनको हम मानेंगे। तो क्या जो हड़ताली डाक कर्मचारियों की मांगे थीं, वह न्यायोचित नहीं थी जिनको आपने नहीं माना है।

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुख राम: वाईस चेयरमैन सर, मैंने पहले भी कर्मचारी यूनियन को बधाई दी कि उन्होंने अपनी हड़ताल वापस ले ली। बड़े शांतिपूर्ण तरीके से दो-तीन दिन स्ट्राईक रही और उसका बड़े शांतिपूर्ण ढंग से निपटारा हुआ। मैंने पहले भी इसी माननीय सदन में कहा था कि वे अपनी स्ट्राईक वापस ले लें और जो हमारा पोस्टल सर्विस बोर्ड है, जितनी मांगे उनकी हैं, उन पर हम सहानुभूतिपूर्वक विचार करेंगे और उनमें से कुछ मांगे ऐसी थी जो पहले ही मान ली गई थी। जब उनसे पोस्टल सर्विस बोर्ड ने बातचीत की थी चार मीटिंगों में, तब वे मांगे पहले ही मान ली गई थीं। वह तो अभी जैसा माननीय सदस्यों ने कहा कि उस को कैसे टाइम बाउंड कर लेना चाहिए, तो एक महीने के अंदर-अंदर हम आर्डर कर देंगे जो हमने मांगें मान ली है। जो ई०डी० ऐजेन्ट्स हैं, उनके बारे में जो चिंता व्यक्त की गई है, हालांकि जो

तीन-चार दिन की स्ट्राईक रही, उसमें मैंने इसका ऐलान नहीं किया था, मगर मैंने जब वे स्ट्राइक पर गए तो मैंने पहले भी उन को कहा था, मैंने कोई धनराशि नहीं बताई थी कि उन को कितना देंगे, मगर मैंने कहा था कि अगर आप स्ट्राइक पर नहीं जाएंगे तो जो 35 रुपए महीने तय किया था हमारे पोस्टल सर्विसेज बोर्ड ने इसको मैं बढ़ाने की पूरी कोशिश करूंगा। मैंने जो यह अपील की उस अपील के ऊपर जो उन्होंने अपनी स्ट्राइक को वापिस लिया, उसके तुरन्त बाद मैंने उनसे कहा, हालांकि अभी उनसे बातचीत नहीं हुई, मगर मैंने 35 रुपए के बजाय 50 रुपए का ऐलान कर दिया कि 50 रुपए उनको प्रतिमास इंटैरिम रिलीफ दी जाएगी । वह मैंने कर ही ही दिया, वह तो मिलेगा ही । कुछ उनकी ऐसी मांगे थी जिन के ऊपर विचार करना है । अभी बहुत जल्दी उनके यूनियन से उन की बात-चीत होगी और जो भी मुमकिन है, जो भी हमारे अधिकार क्षेत्र में हैं, पोस्टल सर्विसेज बोर्ड और मेरे अधिकार क्षेत्र में हैं, उनकी तसल्ली के मुताबिक हम कोशिश करेंगे उनकी बातों को मानने की।

मैं अंत में इतना ही विश्वास दिलाना चाहता हूं और बधाई देना चाहता हूं कि हमें इस बात का गौरव है, बहुत सी स्ट्राइक हुई हैं, वापस भी ली गई हैं, कभी-कभी तो नेशनल प्रापर्टी का भी बहुत नुकसान होता हैं इन स्ट्राइकों में, मगर यह स्ट्राइक ऐसी रही जिसमें न तो कोई नुकसान हुआ, न जिसमें कोई बिटरनेस हुई । जो हमारे कर्मचारी है, मैंने पहले भी कहा था कि जिस जिस मंत्रालय में मैंने काम किया, उनको अपने परिवार का सदस्य माना । चार दिन तक यह स्ट्राइक चलती रही, 10 तारीख को 5 बजे कॉल आफ हुई लेकिन मैंने कोई रिप्रेसिव मीजर्स चार दिनों में इस्तेमाल नहीं किए । मुझे खुशी है, ठीक है कुछ बातें हुई है, मगर उन्होंने भी बिना शर्त इस स्ट्राइक को वापस लिया है क्योंकि विश्वास से ही विश्वास पैदा होता है । उनको हमारे उपर विश्वास हैं और हमें उनके ऊपर विश्वास है इस वास्ते अब जब शान्तिपूर्वक बात भी हो रही है, अब इस में कुछ ऐसे मसले पैदा नहीं करने चाहिए जिस से कोई शक और शुबहे की बात हो । तो मेरा आप से इतना ही निवेदन है और मैं माननीय सदस्यों का आभार व्यक्त करता हूं कि आपने जो चिन्ता व्यक्त की थी उसके मुताबिक यह सारी स्ट्राइक कॉल आफ हुई है क्योंकि पोस्टल सर्विसेव बोर्ड और ई०डी० कर्मचारियों की जो सेवाएं हैं ये बहुत अच्छी रहीं है और ऐसी बहुत कम सेवाओं में से यह सेवा है जिसके कर्मचारी बहुत मुश्किल हालात में काम करते हैं । इस वास्ते मैं उनको बधाई देना चाहता हूं और मुझे उम्मीद है कि माननीय सदस्य सहयोग देंगे और इस में कोई ऐसी बात नहीं करेंगे जिस से कि दोनों तरफ कोई शक की बात पैदा हो।

धन्यवाद ।

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: The hon. Minister's stand is that the strike was called off unconditionally. But my stand is that they have called off ...

THE VICE CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : You have already said this.

SHRI S. VIDUTHALALI VIRUMBI : The strike was called off on the basis of the assurance given by the Government, the hon. Minister as well as the Department. This is my stand.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): The House stands adjourned till 11 A.M. toworrow.

The House then adjourned at thirty five minutes past seven of the clock till eleven of the clock on wednesday, the 15th December 93.